

Gupta period (part -8)

७- चांदी के सिक्के

गुप्त शासकों में केवल ८.० विरमादित्य, कुमारगुप्त-I, स्कंदगुप्त, बुधगुप्त के चांदी के सिक्के प्राप्त होते हैं। ये सिक्के भार, वनावट और चित्रण में पश्चिमी रूपों (शकों) के सिक्कों का अनुकरण हैं।

हाल में ही कुछ विद्वानों ने चंद्रगुप्त-I और समुद्रगुप्त के काल की एक-एक सिक्के मिलाने की बात करते हैं, परन्तु उनकी प्रामाणिकता संदिग्ध है।

८- ताँबे के सिक्के

गुप्तकालीन शासकों ने बहुत कम ताँबे के सिक्के चलाये। जो ताँबे के सिक्के मिलते हैं, वो समुद्रगुप्त, ८.० विरमादित्य, रामगुप्त और कुमारगुप्त कालीन हैं।

९- सीस के सिक्के

गुप्तकालीन सीस के सिक्के बहुत दिनों तक अनजान थे। इसका प्रचलन गुजरात, मालवा के क्षेत्र में रहा होगा। ८.० विरमादित्य, स्कंदगुप्त और कुमारगुप्त के सीस के सिक्के मिलते हैं।